भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 18 JUNE 2026

एअर इंडिया के विमान से टकराया पक्षी, यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली। रायपुर हवाईअड्डे पर उतरते समय एअर इंडिया के विमान से एक पक्षी टकरा गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में विमान को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। उड़ान में सवार सभी यात्री और चालक दल के सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं।

रायपुर एयरपोर्ट अथॉरिटी के मुताबिक, हादसा उस वक्त हुआ, जब दिल्ली से पहुंची उड़ान एआई 1729 रनवे पर उतरने की तैयारी कर रही थी। हादसे के बाद विशेषज्ञों ने विमान की जांच की। इस घटनाक्रम के चलते रायपुर से रवाना होने वाली कई उड़ानों में करीब दो घंटे की देरी हुई। ब्यूरो

एयरपोर्ट पर आसान होगा टर्मिनल बदलना टी-1 से टी-3 के लिए खुलेंगे तीन नए रास्ते

आसान होगा सफर : गोल्ड लाइन मेट्रो से 6-7 मिनट में होगा सफर, एयर ट्रेन 2-3 मिनट में जोड़ेगी दोनों टर्मिनल

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर टर्मिनल-1 (टी-1) से टर्मिनल-3 (टी-3) के बीच यात्रा जल्द ही पहले से कहीं अधिक आसान होने वाली है। वर्तमान में यात्रियों को एक टर्मिनल से दूसरे टर्मिनल तक पहुंचने के लिए एयरपोर्ट परिसर से बाहर निकलकर टैक्सी या बस का सहारा लेना पड़ता है, जिसमें 20 से 30 मिनट तक का समय लग जाता है। ट्रांजिट यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अब तीन नई परियोजनाओं के जरिए दोनों टर्मिनलों को बेहतर ढंग से जोड़ा जाएगा।

ट्रांजिट यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए डायल और डीएमआरसी ने तैयार किया रोडमैप

फाइल फोटो

एयरोसिटी से टी-1 के बीच 2.2 किलोमीटर लंबा भूमिगत कॉरिडोर बनाया जाएगा

दिल्ली मेट्रो की निर्माणाधीन गोल्ड लाइन (तुगलकाबाद-एयरोसिटी कॉरिडोर) का विस्तार टर्मिनल-1 तक किया जा रहा है। एयरोसिटी से टी-1 के बीच लगभग 2.2 किलोमीटर लंबा भूमिगत कॉरिडोर बनाया जाएगा। परियोजना पूरी होने के बाद यात्री टी-1 से गोल्ड लाइन मेट्रो लेकर एयरोसिटी स्टेशन पहुंचेंगे और वहां से एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के जरिए सीधे टी-3 जा सकेंगे। इससे दोनों टर्मिनलों के बीच यात्रा का समय घटकर लगभग 6 से 7 मिनट रह जाएगा।

एयर ट्रेन से 2-3 मिनट में होगा टर्मिनल ट्रांसफर

दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) एयरपोर्ट परिसर में 7.7 किलोमीटर लंबी ऑटोमेटेड पीपल मूवर (एपीएम) यानी एयर ट्रेन सेवा शुरू करने की तैयारी कर रहा है। इस परियोजना पर लगभग 3,000 से 4,000 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है और इसे वर्ष 2029 तक शुरू करने की योजना है। एयर ट्रेन टी-1, टी-2/टी-3, एयरोसिटी स्टेशन और कार्गो टर्मिनल को जोड़ेगी। कुल रूट का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा एलिवेटेड होगा, जबकि शेष भाग जमीन पर रहेगा। इस सेवा के शुरू होने के बाद टी-1 से टी-3 के बीच सिर्फ केवल 2 से 3 मिनट में पहुंचा जा सकेगा। कनेक्टिंग फ्लाइट वाले यात्रियों के लिए यह सुविधा निःशुल्क रखने का प्रस्ताव है।

टर्मिनल के अंदर से चलेगी इलेक्ट्रिक शटल सेवा

डायल टी-1 और टी-3 के बीच शटल सेवा शुरू करने की भी योजना बना रहा है। इसके तहत यात्रियों को टर्मिनल से बाहर निकलने की जरूरत नहीं होगी। इलेक्ट्रिक बसों के माध्यम से दोनों टर्मिनलों को एयरपोर्ट परिसर के अंदर ही जोड़ा जाएगा। फिलहाल एक टर्मिनल से दूसरे टर्मिनल तक पहुंचने में 25 से 30 मिनट लगते हैं, लेकिन शटल सेवा शुरू होने के बाद ट्रांजिट यात्री कुछ ही मिनटों में अपना टर्मिनल बदल सकेंगे। इससे समय की बचत होगी, खर्च कम होगा और कनेक्टिंग फ्लाइट पकड़ना पहले की तुलना में कहीं अधिक सुविधाजनक हो जाएगा।

आईजीआई एयरपोर्ट से सालाना लगभग 7.7 से 7.8 करोड़ यात्री यात्रा करते हैं। इनमें 70 से 75 प्रतिशत घरेलू और 25 से 30 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय यात्री शामिल हैं। मई माह में एयरपोर्ट से कुल 71.4 लाख यात्रियों ने यात्रा की, जिनमें करीब 19 लाख यानी 27 प्रतिशत ट्रांजिट यात्री थे। यह आंकड़ा अप्रैल के 23 प्रतिशत और पिछले वर्ष मई के 20 प्रतिशत की तुलना में काफी अधिक है।

रोजाना औसतन 56 हजार यात्री यहां से कनेक्टिंग फ्लाइट लेते हैं। डोमेस्टिक-टू-डोमेस्टिक ट्रांसफर का हिस्सा सबसे अधिक 61 प्रतिशत है। वहीं अहमदाबाद-दिल्ली-टोरंटो, फुकेत-दिल्ली-लंदन और दुबई-दिल्ली-पटना जैसे अंतरराष्ट्रीय ट्रांजिट रूट भी तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। दिल्ली एयरपोर्ट दक्षिण एशिया को उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया-प्रशांत क्षेत्र से जोड़ने वाले प्रमुख ट्रांजिट हब के रूप में उभर रहा है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 18 JUNE 2026

चेन्नई से नोएडा एयरपोर्ट पहुंचा पहला कार्गो विमान

मोबाइल डिवाइस और कलपुर्जे का था कार्गो

यमुना सिटी। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से बुधवार से मालवाहक विमानों की उड़ानें शुरू हो गईं। रनवे पर उतरते ही कार्गो विमान का वाटर कैनन से स्वागत किया गया। एयरपोर्ट के रनवे पर उतरने वाला यह विमान चेन्नई से सामान लेकर आया था। इसमें मोबाइल डिवाइस, कल-पुर्जे समेत खाने-पीने की चीजें और कृषि उत्पाद शामिल थे।

अब यहां से बुकिंग के हिसाब से कार्गो विमानों की आवाजाही होगी। पहले दिन चेन्नई से कार्गो लेकर आया यह विमान नोएडा से माल लेकर वापस चेन्नई लौट गया।

एयरपोर्ट से 15 जून से कॉमर्शियल उड़ानें शुरू हो चुकी हैं। बुधवार को एयरपोर्ट के एयर इंडिया सेट्स मल्टी-मॉडल कार्गो हब (एमएमसीएच) में पहला घरेलू फ्रेटर विमान सुबह लगभग 7:20 मिनट पर उतरा। एफकॉम होल्डिंग्स एयरलाइन ने चेन्नई और नोएडा के बीच परिचालित बोइंग 737-800एफ की उड़ान में करीब 20 टन मिश्रित माल की आवाजाही की गई।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 17 JUNE 2026

AI introduces no-meal 'basic' fares on select domestic sectors

Rohit Vaid
New Delhi

Tata Group-owned Air India has introduced a new unbundled 'basic' fare family on select domestic sectors, marking a significant shift in the airline's product strategy and bringing aspects of its offering closer to global 'light fare' models.

Accordingly, the development comes after *businessline* on Tuesday (June 16, 2026) reported that the airline was evaluating the introduction of unbundled fares on around 20 domestic sectors as part of a broader effort to sharpen fare segmentation and expand ancillary revenues.

LIGHT FARE MODEL. The airline said the product is aimed at value-conscious travellers

DOMESTIC SECTORS

Speaking to *businessline* earlier in the day, industry sources had said that the airline had identified nearly 20 domestic sectors where certain services currently bundled into the ticket price could potentially be offered on a pay-if-you-use basis.

The proposal was understood to involve the unbundling of complimentary meals in Economy Class, while Premium Economy and Business Class were not expected to be covered under the initiative. Later in the day, Air India confirmed the introduction of the new 'basic' fare family, which is currently being piloted on select domestic routes.

VALUE-CONSCIOUS

The airline said the product is aimed at value-conscious travellers and includes a 15 kg checked baggage allowance, a seven kg cabin baggage allowance and complimentary tea or coffee, while complimentary meals are not included.

As per Air India, the basic fare is entirely optional and that passengers will continue to have the choice of booking its existing value, classic and flex fare families, all of which include complimentary meals and bundled benefits.

Besides, sources had indicated that the initiative is aimed at providing greater fare flexibility to passengers, stimulating demand on price-sensitive routes and creating additional ancillary revenue streams.

According to the airline, the introduction of the basic fare reflects a "pro-consumer" approach that recognises differing traveller preferences and allows price-conscious passengers to pay only for services they require while preserving a full-service offering for customers who prefer an all-inclusive experience.

BASIC FARES

In addition, Air India said passengers booked on basic fares will have the flexibility to pre-purchase meals up to 24 hours before departure, with options including vegetarian, non-vegetarian, Jain and diabetic meals.

The carrier added that pre-purchased meals would automatically be transferred in the event of schedule changes or fully refunded if unavailable.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 18 JUNE 2026

Qatar Airways adds flights to US for World Cup travel

Mumbai: Qatar Airways has added flights to the US to support higher travel demand due to the ongoing FIFA World Cup. Frequencies have been increased from Doha to Boston, Los Angeles, Miami and San Francisco, it said. The extra services will be in place on the San Francisco route until June 27 and on the other three cities until July 20. OUR BUREAU

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 18 JUNE 2026

Navi Mumbai airport to handle international flights from July 15, mulls 50 million passenger terminal in next phase

Our Bureau
Mumbai

Navi Mumbai airport is set to handle international flights from July 15, Chief Executive Officer BVJK Sharma said on Wednesday.

"We will be starting with freighters from July 15 and we expect the movements to ramp up to 18 per week. The good news is that there is movement on passenger side and hopefully from July 15 international passenger flights will also start," Sharma said on the sidelines of the Brihanmumbai Custom Brokers Association's logistics conclave.

Air India Express and IndiGo are expected to start flights on short haul routes. Air India Express has filed international route plans with the airport, he added.

While international flights were initially expected to start from March end, plans were deferred due to tensions in West Asia.

On Tuesday, Member (customs) Yogendra Garg reviewed the airport's readiness to handle international operations and final approval is expected this week.

Air India Express and IndiGo are expected to start flights on short haul routes

SCALE CAPACITY

Navi Mumbai airport began operations last Christmas with 46 daily flights. These have increased to 149 daily flights connecting 46 domestic destinations.

By December, operations are expected to scale up to 300 daily flights. The airport has handled over two million passengers till now and is handling around 20,000 passengers daily, Sharma said.

The Adani Group-run airport is also redesigning its growth plans. At present, the airport has a capacity to handle 20 million passengers annually. Originally, a passenger terminal with 30 million annual capacity was planned in the second phase.

Now the airport management is considering building a larger terminal to handle 50 million passengers in the next phase.

"The design work for the proposed terminal has started... We will open up in parts based on demand and supply," he said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 18 JUNE 2026

Navi Mumbai airport aims to hit over 1 million monthly passengers by Nov

SURAJEET DAS GUPTA
New Delhi, 17 June

Adani-run Navi Mumbai International Airport Ltd (NMIAL) aims to hit over 1 million passengers a month by November, which would make it the eighth airport in the country to surpass that mark.

According to plans discussed with the Ministry of Civil Aviation, the airport operator would increase aircraft movement from 150 to 250 per day with 10-15 per cent expected to come from international flights, which are likely to start soon. As of April 2026, the country had only seven airports which handled more than 1 million or more domestic and international passengers each month, according to data from the Airports Authority of India (AAI).

According to sources, there is a possibility of starting international flights once approvals from the Customs and immigration departments come — likely by June 30, post which they will begin the international operations.

A query sent to NMIAL did not elicit any response.

The airport, which started commercial flights only at the end of December 2025, has seen a threefold increase in passengers from 221,586 in March to 642,766 in May. Since it began operations, the airport has collectively handled over 1.77 million passengers from domestic flights in its first five months.

THE AIRPORT HAS COLLECTIVELY HANDLED OVER 1.77 MILLION PASSENGERS FROM DOMESTIC FLIGHTS IN ITS FIRST FIVE MONTHS

It entered the top-10 domestic airports' league as early as March. NMIAL has set an ambitious target of touching 20 million passengers by FY28. If achieved, it would become the fastest growing airport in India to hit the milestone. For FY27, the target is 11 million passengers. But it has some catching up to do compared to other airports.

For instance, in April, Delhi airport handled over 6.6 million domestic and international passengers, followed by Mumbai with over 4 million and Benguluru at 3.6 million. The other big players were Chennai airport, which handled 1.73 million passengers, Kolkata was at 1.76 million, Ahmedabad at 1.29 million and Hyderabad at 2.2 million.

NMIAL will require 4-5 domestic feeder flights to bring in passengers to fill up one wide-body aircraft travelling to and from the airport to an international destination. The Adani-run Mumbai airport, however, can only do point-to-point international services, given the restriction of having a single runway. Therefore, there is no scope to expand further.

More on business-standard.in

DAINIK BHASKAR DELHI 18 JUNE 2026

नवी मुंबई एयरपोर्ट से 15 जुलाई से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें

मुंबई। नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 15 जुलाई से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू हो सकती हैं। एअर इंडिया एक्सप्रेस और इंडिगो अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट चलाएंगी। एनएमआईएएल के सीईओ बीवीजेके शर्मा ने बताया कि शुरुआत में कार्गो की 18 साप्ताहिक उड़ानें हो सकती हैं। एयरपोर्ट अभी रोज 20 हजार घरेलू यात्रियों को संभाल रहा है।

Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR DELHI 18 JUNE 2026

दुनिया के सबसे खूबसूरत हवाई अड्डों में नवी मुंबई और गुवाहाटी भी

भास्कर न्यूज | मुंबई

अंतरराष्ट्रीय डिजाइन पुरस्कार प्री वर्साय 2026 द्वारा जारी दुनिया के 7 सबसे खूबसूरत हवाई अड्डों की सूची में भारत के दो एयरपोर्ट्स ने भी जगह बनाई है। इस सूची में भारत का नवी मुंबई और गुवाहाटी एयरपोर्ट शामिल है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक एयरपोर्ट्स का चयन केवल सुंदरता के आधार पर नहीं, बल्कि नवाचार, यात्री अनुभव, पर्यावरणीय दृष्टिकोण और स्थानीय सांस्कृतिक पहचान को ध्यान में रखकर किया गया है। इस सूची में शामिल दोनों भारतीय एयरपोर्ट्स ने पारंपरिक भारतीय तत्वों को आधुनिक वास्तुकला के साथ जोड़कर वैश्विक पहचान बनाई है। दुनिया के सबसे खूबसूरत एयरपोर्ट्स की इस सूची में चीन के ग्वांगझोउ बाययुन इंटरनेशनल एयरपोर्ट का टर्मिनल 3, जर्मनी के फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट का टर्मिनल 3, कंबोडिया का टेको इंटरनेशनल एयरपोर्ट, अमेरिका के सैन डिएगो इंटरनेशनल एयरपोर्ट का टर्मिनल 1, और अमेरिका का ही पिट्सबर्ग इंटरनेशनल एयरपोर्ट शामिल है। जानते हैं प्रमुख 3 एयरपोर्ट के बारे में...

ग्वांगझोउ बाययुन इंटरनेशनल एयरपोर्ट, चीन

ग्वांगझोउ एयरपोर्ट का टर्मिनल-3 अपनी फूलों जैसी छत और विशाल हरित क्षेत्रों के लिए चर्चित है। करीब 10,000 वर्ग मीटर में फैले इनडोर और आउटडोर गार्डन यात्रियों को प्रकृति के बीच होने का एहसास कराते हैं।

नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट, भारत

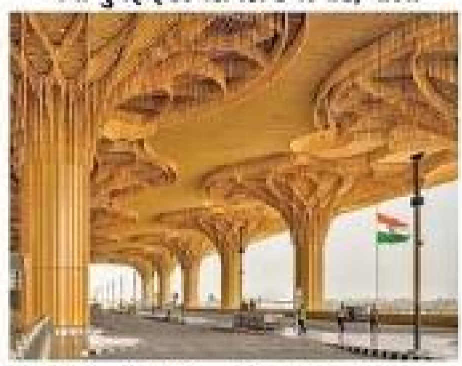

नवी मुंबई एयरपोर्ट के डिजाइन में भारतीय संस्कृति के प्रतीक कमल की झलक दिखाई देती है। हरे-भरे खुले क्षेत्र, प्राकृतिक रोशनी और आधुनिक सुविधाओं के साथ यह एयरपोर्ट भारतीय वास्तुकला की नई पहचान बनकर उभरा है।

गोपीनाथ बोरदोलोई एयरपोर्ट गुवाहाटी, भारत

गुवाहाटी एयरपोर्ट का नया टर्मिनल-2 पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है। बांस से प्रेरित इंटीरियर इसकी सबसे बड़ी खासियत है। स्थानीय कला, लोककथाएं और स्थानीय शिल्प कौशल ने इसकी जीत में योगदान दिया।

DESHBANDHU DELHI 18 JUNE 2026

पहले मालवाहक विमान ने जेवर एयरपोर्ट से भरी उड़ान

उत्तर भारत के सबसे बड़ा लॉजिस्टिक्स के रुप में उभरने की दिशा में एक बड़ा कदम

- नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के मल्टी-मॉडल कार्गो हब से शुरू हुआ वाणिज्यिक संचालन
- 20 टन माल लेकर चेन्नई से पहुंची पहली कार्गो फ्लाइट
- कृषि, इलेक्ट्रॉनिक्स और ई-कॉमर्स सेक्टर को मिलेगा बड़ा लाभ

ग्रेटर नोएडा, 17 जून (देशबन्धु)। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने यात्री उड़ानों के बाद अब कार्गो क्षेत्र में भी नया इतिहास रच दिया है। भारत के पहले एकीकृत मल्टी-मॉडल कार्गो हब (एमएमसीएच) ने मंगलवार को अपनी पहली घरेलू मालवाहक (फ्रेटर) उड़ान के सफल संचालन के साथ वाणिज्यिक परिचालन की औपचारिक शुरुआत कर दी। इसके साथ ही जेवर एयरपोर्ट उत्तर भारत के सबसे महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक्स और माल परिवहन केंद्र के रूप में उभरने की दिशा में एक बड़ा कदम आगे बढ़ गया है।

एयर इंडिया सैट्स (एआईसैट्स) द्वारा विकसित मल्टी-मॉडल कार्गो हब से संचालित पहली फ्रेटर सेवा का संचालन एसकैम होल्डिंग्स ने चेन्नई-नोएडा-चेन्नई मार्ग पर बोइंग 737-800 एफ विमान के जरिए किया। करीब 20 टन मिश्रित माल लेकर पहुंची इस उड़ान में जल्द खराब होने वाले खाद्य उत्पाद, ऑटोमोबाइल कल-पुर्जे, मोबाइल फोन और अन्य कंसोलिडेटेड शिपमेंट शामिल थे।

87 एकड़ में विकसित हुआ अत्याधुनिक कार्गो केंद्र

नोएडा एयरपोर्ट का यह मल्टी-मॉडल कार्गो हब करीब 87 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया गया है। इसमें 30 एकड़ का एकीकृत कार्गो टर्मिनल और 57 एकड़ का वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स जोन शामिल है। यहां कार्गो हैंडलिंग, वेयरहाउसिंग, ट्रांसपोर्टेशन और डिजिटल ट्रैकिंग जैसी सभी सुविधाओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़ा गया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की एकीकृत व्यवस्था माल ढुलाई की लागत कम करने, समय बचाने और सप्लाई चेन को अधिक दक्ष बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे उद्योगों को माल की तेज आवाजाही और बेहतर वितरण नेटवर्क उपलब्ध होगा।

किसानों और निर्यातकों के लिए खुले नए अवसर

कार्गो हब का सबसे बड़ा लाभ कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को मिलने की उम्मीद है। विशेष रूप से फल, सब्जियां, डेयरी उत्पाद, फूल और समुद्री खाद्य पदार्थ जैसे जल्दी खराब होने वाले उत्पाद अब कम समय में उत्तर भारत के बड़े बाजारों तक पहुंच सकेंगे।

दक्षिण भारत और तटीय राज्यों के उत्पादकों को दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विशाल उपभोक्ता बाजारों तक तेज एवं भरोसेमंद पहुंच मिलेगी। वहीं उत्तर भारत के निर्यातकों को भी देश और विदेश के बाजारों तक अपने उत्पाद भेजने के लिए नया विकल्प मिलेगा।

ई-कॉमर्स और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को मिलेगी गति

नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास क्षेत्र देश के प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स और विनिर्माण केंद्रों में शामिल हो चुके हैं। मोबाइल निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल कंपोनेंट्स और ई-कॉमर्स क्षेत्र की कंपनियों को इस कार्गो हब से सीधा लाभ मिलेगा।

विशेषज्ञों के अनुसार तेज कार्गो कनेक्टिविटी से उद्योगों की इन्वेंट्री लागत कम होगी और उत्पादों की समयबद्ध डिलीवरी सुनिश्चित हो सकेगी। इससे क्षेत्र में निवेश आकर्षित होने की संभावना भी बढ़ेगी।

नए युग की शुरुआत

एआईसैट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामनाथन राजामणि ने कहा कि पहली फ्रेटर उड़ान का सफल संचालन भारत के कार्गो और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। तेजी से बदलती वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के बीच एकीकृत लॉजिस्टिक्स अवसंरचना की मांग लगातार बढ़ रही है और यह हब उसी आवश्यकता को पूरा करेगा।

उन्होंने कहा कि विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे और आधुनिक परिचालन प्रणालियों के माध्यम से यह केंद्र उत्तर भारत के कारोबारों को बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराएगा और वैश्विक व्यापार में भारत की भूमिका को मजबूत करेगा।

उत्तर भारत का नया लॉजिस्टिक्स केंद्र बनेगा जेवर

एसकैम होल्डिंग्स के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक दीपक परशुरामन ने कहा कि चेन्नई-नोएडा-चेन्नई फ्रेटर सेवा का शुभारंभ कंपनी और देश के एयर कार्गो उद्योग दोनों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। एआईसैट्स के साथ साझेदारी से परिचालन दक्षता और सेवा गुणवत्ता में वृद्धि होगी।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उपाध्यक्ष क्रिस्टोफ श्नेलमन ने कहा कि पहली फ्रेटर उड़ान का सफल संचालन एयरपोर्ट को उत्तर भारत के प्रमुख लॉजिस्टिक्स गेटवे के रूप में स्थापित करने की दिशा में अहम कदम है। इससे विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स और कृषि क्षेत्रों को घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक बेहतर पहुंच मिलेगी।

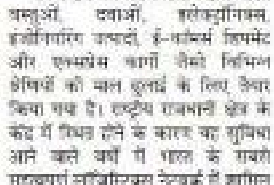

भविष्य की बड़ी संभावनाएं

कार्गो हब को जल्द खराब होने वाली वस्तुओं, दवाओं, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग उत्पादों, ई-कॉमर्स शिपमेंट और एक्सप्रेस कार्गो जैसे विभिन्न श्रेणियों की माल ढुलाई के लिए तैयार किया गया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के केंद्र में स्थित होने के कारण यह सुविधा आने वाले वर्षों में भारत के सबसे महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक्स नेटवर्क में शामिल हो सकती है। पहली फ्रेटर उड़ान के साथ जेवर एयरपोर्ट ने यह संकेत दे दिया है कि वह केवल यात्रियों की आवाजाही तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देश के व्यापार, निर्यात और औद्योगिक विकास की नई धुरी बनने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN　　DELHI　　18 JUNE 2026

नोएडा एयरपोर्ट पर बोइंग 737-810 एफ की लैंडिंग के साथ शुरू हुई कार्गो सेवा

चेन्नई से कार्गो लेकर नोएडा एयरपोर्ट पहुंचा एफकान होल्डिंग का चार्टर्ड विमान

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बुधवार को घरेलू कार्गो सेवा का शुभारंभ हो गया। चेन्नई से उड़ान भर कर एफकान होल्डिंग का बोइंग 737-810 एफ चार्टर्ड कार्गो विमान नोएडा एयरपोर्ट के रनवे पर सुबह 7:20 बजे उतरा। विमान के उतरते ही यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. (यायल), एयर इंडिया सेट्स और एफकान होल्डिंग के अधिकारियों ने तालियां बजाकर स्वागत किया। पहली बार नोएडा एयरपोर्ट पर उतरे कार्गो विमान को वाटर कैनन से सलामी दी गई। विमान एयरपोर्ट से कार्गो लेकर वापस चेन्नई के लिए रवाना हुआ।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रनवे पर लैंड होने के बाद बोइंग 737-800 एफ अफकान एयरलाइंस के कार्गो विमान को वाटर कैनन से सैल्यूट दिया गया • सौरभ राय

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए लगातार तीसरा दिन भी खास रहा। 15 जून को एयरपोर्ट से इंडिगो की यात्री शुरू होने के अगले दिन 16 जून को अकासा एयर ने भी यात्री सेवाओं की शुरुआत की थी। बुधवार को कार्गो सेवा का भी शुभारंभ हो गया। विमान चेन्नई से 20 टन कार्गो लेकर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचा। इसमें ई-कामर्स और आटो कंपोनेंट हैं। वापसी में विमान 16 टन कार्गो लेकर चेन्नई के लिए रवाना हुआ। इसमें फार्मा, इलेक्ट्रानिक्स, मोबाइल डिवाइस व फ्लानकोट से पहुंची नीचे है। इससे पहले एयर इंडिया सेट्स के सीईओ रामानाथन राजामणि ने कार्गो विलेज में फीता काटकर कार्गो को विमान में चढ़ने के लिए रवाना करते हुए कहा कि मल्टी माडल कार्गो हब के एकीकृत कार्गो टर्मिनल पर पहले मालवाहक विमान के सफल संचालन के साथ भारत की कार्गो और लाजिस्टिक्स यात्रा के नए अध्याय की शुरुआत हुई है। इस मौके पर यायल के बोर्ड चेयरमैन क्रिस्टोफ श्नेलमैन, सीईओ नीतू सामरा, सीओओ किरण जैन आदि मौजूद रहे।

कार्गो सेवा में समय की है बड़ी कीमत

कार्गो सेवा के शुभारंभ के दिन एफकान होल्डिंग के सीओओ सलीम चौधरी ने कहा कि कार्गो में समय बेहद कीमती होता है। कम समय में सामान पहुंचाना जरूरी है, इसमें खासतौर पर फल-सब्जी आदि शामिल है, जो जल्द खराब हो सकती है। मल्टी माडल कार्गो हब बनाने के लिए पूरे ईको सिस्टम को विकसित किया गया है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 18 JUNE 2026

आइजीआइ के मुकाबले नोएडा एयरपोर्ट से माल ढुलाई 20 रुपये प्रति किलो कम

अजीत तिवारी • जागरण

ग्रेटर नोएडा: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बुधवार को कार्गो सेवा भी शुरू हो गई है। पहले दिन चेन्नई के लिए कार्गो फ्लाइट रवाना हुई। इसके साथ ही दिल्ली सहित एनसीआर के व्यापारियों और निर्यातकों को दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आइजीआइ) का सस्ता विकल्प मिल गया है। नोएडा एयरपोर्ट से माल ढुलाई की दर आइजीआइ के मुकाबले 20 रुपये प्रति किलो तक कम है।

कार्गो सेवा के पहले दिन पठानकोट से लीची, गौतमबुद्ध नगर और गुरुग्राम से ई-कामर्स कंपनियों का सामान भेजे गए। पठानकोट की लीची चेन्नई भेजने का कन्साइनमेंट सूर्या कार्गो फारवर्डर्स प्रा. लि. को मिला था। सूर्या कार्गो के प्रबंध निदेशक रविजीत शेखावत ने बताया बुधवार को हमने तीन टन लीची चेन्नई भेजी। आइजीआइ एयरपोर्ट से कार्गो का शुल्क 50 रुपये प्रति किलो है, नोएडा एयरपोर्ट से सिर्फ 30 रुपये प्रति किलो लिया जा रहा है।

पश्चिमी यूपी के निर्यातकों को होगा फायदा

कार्गो सेवा शुरू होने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के निर्यातकों को सीधा लाभ मिलेगा। आगरा का पेठा, मेरठ का स्पोर्ट्स सामान, मुरादाबाद का पीतल, फरीदाबाद-गुरुग्राम के आटो पार्ट्स और नोएडा-ग्रेनो का इलेक्ट्रानिक सामान अब कम लागत में देश-विदेश भेजा जा सकेगा। 20 रुपये प्रति किलो की बचत बहुत बड़ी है।

जाम से मुक्ति, फल-सब्जी नहीं होंगे खराब: रविजीत शेखावत ने बताया कि सिर्फ शुल्क ही नहीं, समय की भी बचत हो रही है। दूसरे शहरों से बड़े कंटेनर दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचने में जाम और भीड़ के कारण घंटों फंस जाते हैं। कई बार फ्लाइट छूट जाती है। फल-सब्जी जैसे जल्दी खराब होने वाले सामान के लिए यह बड़ा नुकसान है। पठानकोट से नोएडा एयरपोर्ट पहुंचना बेहद आसान है। एनएच-44 से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे होते हुए सीधे एयरपोर्ट पहुंचा जा सकता है। इससे दिल्ली के ट्रैफिक में नहीं फंसेंगे।

दरें कम होने का नोएडा एयरपोर्ट को मिलेगा लाभ: आइजीआइ के मुकाबले फ्रेट की कम दर होने से नोएडा एयरपोर्ट की ओर कार्गो कंपनियां रुख करेंगी। इसका लाभ नोएडा एयरपोर्ट को मिलेगा। हालांकि अभी एक ही फ्लाइट है, ऐसे में कम सामान ही भेज सकेंगे। फ्लाइटों की संख्या बढ़ने के साथ सामान भेजने में भी वृद्धि देखी जाएगी।

कमर्शियल फ्लाइट से अभी अधिकतम 1500 किलो माल ही भेज सकते: फिलहाल नोएडा एयरपोर्ट से प्रतिदिन एक ही कार्गो फ्लाइट संचालित हो रही है। इस कारण अभी सीमित मात्रा में ही सामान भेजा जा रहा है। रविजीत शेखावत ने बताया कि अभी कमर्शियल फ्लाइट से अधिकतम 1500 किलो तक माल की ढुलाई की जा सकती है। फ्लाइट बढ़ने के साथ ही माल भी अधिक भेज सकेंगे। अगले कुछ दिनों में आटो पार्ट्स, और फार्मा की भी नियमित डिलीवरी शुरू कर देंगे।

DAINIK JAGRAN DELHI 18 JUNE 2026

गैर-नियंत्रित हवाई अड्डे के सुधार के कड़े निर्देश

- विमान दुर्घटनाओं और सुरक्षा संबंधी घटनाओं को लेकर डीजीसीए गंभीर
- सुरक्षा मानकों की समीक्षा करने और कमियों को तत्काल दूर करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली, प्रेट्र: देश में विमान दुर्घटनाओं और सुरक्षा संबंधी घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कई छोटे और गैर-नियंत्रित हवाई अड्डे (अनकंट्रोल्ड एयरफील्ड्स) के संचालकों को सुरक्षा मानकों की तत्काल समीक्षा करने व कमियों को दूर करने के निर्देश दिए हैं। विमानन नियामक डीजीसीए का मानना है कि कई स्थानों पर बुनियादी ढांचे का रखरखाव मानकों के अनुरूप नहीं किया जा रहा है, जिससे विमान संचालन की सुरक्षा प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है।

डीजीसीए द्वारा 11 जून को जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि सभी गैर-नियंत्रित हवाई अड्डे और एयरस्ट्रिप के संचालक अपनी सुविधाओं की वर्तमान स्थिति का व्यापक आकलन करें। साथ ही रनवे, टैक्सीवे, एप्रन, विजुअल एड्स, एयरफील्ड मार्किंग, जल निकासी व्यवस्था, बाउंड्री फेंसिंग और प्रवेश नियंत्रण जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं का निरीक्षण और रखरखाव सुनिश्चित किया जाए।

नियामक ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा को प्रभावित करने वाली कमी को बिना किसी देरी के दूर किया जाए। आवश्यक संसाधनों व तकनीकी सहायता की उपलब्धता भी सुनिश्चित करने को कहा गया है। डीजीसीए के अनुसार, अनकंट्रोल्ड एयरफील्ड सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। एडवाइजरी में यह भी उल्लेख किया गया है कि अतीत में ऐसे हवाई अड्डों या उनके आसपास कई दुर्घटनाएं और सुरक्षा संबंधी घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

भारतीय विमानों के लिए हवाई क्षेत्र पर लगी रोक पाकिस्तान ने बढ़ाई

लाहौर, प्रेट्र: पाकिस्तान ने बुधवार को भारतीय रजिस्टर्ड विमानों पर अपने हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल पर लगी पाबंदियों को एक और महीने के लिए यानी 24 जुलाई तक बढ़ा दिया है। ये पाबंदियां पहलगाम हमले के बाद लगाई गई थीं। पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ने कहा, "भारतीय विमानों (चाहे सिविल हों या मिलिट्री) पर लगी पाबंदी 16 जून को शाम 5:50 बजे से 24 जुलाई सुबह 4:59 बजे तक लागू रहेगी।"

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RS DAINIK JAGRAN DELHI 18 JUNE 2026

नोएडा एयरपोर्ट पर बोइंग 737-810 एफ की लैंडिंग के साथ कार्गो सेवा शुरू

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

- चेन्नई से कार्गो लेकर नोएडा एयरपोर्ट पहुंचा एफकान होल्डिंग का विमान
- वापसी में कार्गो लेकर भी चेन्नई के लिए हुआ रवाना

नोएडा एयरपोर्ट पर बुधवार सुबह बोइंग 737-800 एफ अफकाम इस के कार्गो चार्टर्ड विमान से माल उतारते कर्मी। सौरभ राय

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बुधवार को घरेलू कार्गो सेवा का शुभारंभ हो गया। चेन्नई से उड़ान भर कर एफकान होल्डिंग का बोइंग 737-810 एफ चार्टर कार्गो विमान नोएडा एयरपोर्ट के रनवे पर सुबह 7.20 बजे उतरा। विमान के उतरते ही यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. (यायल), एयर इंडिया सेट्स और एफकान होल्डिंग के अधिकारियों ने तालियां बजाकर स्वागत किया। पहली बार नोएडा एयरपोर्ट पर उतरे कार्गो विमान को वाटर कैनन से सलामी दी गई। विमान एयरपोर्ट से कार्गो लेकर वापस चेन्नई के लिए रवाना हुआ।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए लगातार तीसरा दिन भी खास रहा। 15 जून को एयरपोर्ट से इंडिगो की यात्री शुरू होने के अगले दिन 16 जून को अकासा एयर ने भी यात्री सेवाओं की शुरुआत की थी। बुधवार को कार्गो सेवा का भी शुभारंभ हो गया। विमान चेन्नई से 20 टन कार्गो लेकर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचा। इसमें ई कामर्स और आटो कंपोनेंट आदि शामिल रहे और वापसी में विमान 16 टन कार्गो लेकर चेन्नई के लिए रवाना हुआ। इसमें फार्मा, इलेक्ट्रानिक्स, मोबाइल डिवाइस व पठानकोट से पहुंची लीची शामिल रही। इससे पहले एयर इंडिया सेट्स के सीईओ रामानाथन राजामणि ने कार्गो विलेज में फीता काटकर कार्गो को विमान में चढ़ने के लिए रवाना किया और विमान से आए कार्गो का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मल्टी माडल कार्गो हब के एकीकृत कार्गो टर्मिनल पर पहले मालवाहक विमान के सफल संचालन के साथ भारत की कार्गो और लाजिस्टिक्स यात्रा के नए अध्याय की शुरुआत हुई है।

आइजीआइ के मुकाबले नोएडा एयरपोर्ट से माल ढुलाई 20 रुपये प्रति किलो कम : नोएडा एयरपोर्ट से माल ढुलाई की दर आइजीआइ के मुकाबले 20 रुपये प्रति किलो तक कम है। सूर्या कार्गो के प्रबंध निदेशक रविजीत शेखावत ने बताया कि हमने तीन टन लीची चेन्नई भेजी। आइजीआइ एयरपोर्ट से कार्गो का शुल्क 50 रुपये प्रति किलो है, जबकि नोएडा एयरपोर्ट से सिर्फ 30 रुपये प्रति किलो लिया जा रहा है। 20 रुपये प्रति किलो की सीधी बचत हो रही है।

THE ECONOMIC TIMES DELHI 18 JUNE 2026

DGCA Tells Uncontrolled Airfields to Review Ops, Fix Gaps

The DGCA has asked operators of uncontrolled airstrips to immediately review the operational conditions of their facilities and rectify deficiencies that affect safety against the backdrop of accidents at such airstrips. Several uncontrolled airstrips across the country are being utilised for landing and departure of aircraft. — **PTI**

THE ECONOMIC TIMES DELHI 18 JUNE 2026

Airlines May Fly Low This Fiscal

Domestic airlines' operating profit is expected to fall this fiscal as elevated aviation turbine fuel (ATF) prices, airspace restrictions and rupee depreciation amid the West Asia conflict increase operating costs, according to CRISIL Ratings. While lower ATF prices driven by a resolution of the conflict could contain further escalation in fuel costs, ongoing fleet expansion will push up lease rentals, putting pressure on lease serviceability through internal accruals. Text: FORUM GANDHI

KEY NUMBERS

10-15% Expected decline in operating profit this fiscal

AGGREGATE OPERATING PROFIT (₹ Crore)

FY26	This Fiscal (Estimated)
19,000	16,000-17,000

Over **50%** Rise in global ATF prices versus pre-conflict levels

90-100 AIRCRAFT Expected fleet additions this fiscal

15% Expected increase in lease rental costs to ₹27,000-28,000 cr

12-16% Expected rise in cost per available seat km (CASK, excluding forex), from ₹4.3 in FY26 to ₹4.8-5.0

Source: CRISIL Ratings

REMEDIES

FUEL SURCHARGE EXPECTED TO INCREASE REVENUE PER AVAILABLE SEAT KILOMETRE (RASK)

FY26	This Fiscal (Estimated)
₹4.9 per km	₹5.2-5.4 per km

But pass-through remains partial due to price-sensitive nature of air travel demand

The surge in global fuel prices following the onset of the conflict has increased the operating cost of airlines significantly. Even with the expected moderation in fuel prices, they will remain above the levels of last fiscal. Coupled with currency-related pressures, this will push up the overall cost per available seat kilometre...

MANISH GUPTA, Deputy Chief Ratings Officer, CRISIL Ratings

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 17 JUNE 2026

Akasa connects Noida, Navi Mumbai airports

FPJ News Service

MUMBAI

Akasa Air on Tuesday launched the first flight connecting Noida International Airport (NIA) and Navi Mumbai International Airport (NMIA), linking the country's two newest greenfield airports. The service follows the operational commencement of NIA at Jewar on Monday.

Akasa Air, one of only two airlines operating from Noida, is now the sole carrier connecting Noida with the Mumbai Metropolitan Region. The inaugural flight, QP-2017, departed Navi Mumbai at 7.26am and arrived in Noida at 9.36am.

Akasa Air Co-founder and Chief Commercial Officer Anand Srinivasan said the move aligns with the airline's strategy to expand across key growth markets. The airline has also announced plans for a maintenance, repair and overhaul facility at Jewar airport.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 18 JUNE 2026

सफदरजंग एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था हुई मजबूत

सख्ती

नई दिल्ली, प्र.सं.। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने दिल्ली के ऐतिहासिक सफदरजंग हवाई अड्डे की सुरक्षा की जिम्मेदारी औपचारिक रूप से संभाल ली है। इसके साथ ही सफदरजंग हवाई अड्डा देश का 73वां ऐसा हवाई अड्डा बन गया है, जिसकी सुरक्षा सीआईएसएफ के जिम्मे है।

दक्षिणी दिल्ली में करीब 213 एकड़ क्षेत्र में फैला सफदरजंग हवाई अड्डा रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील माना जाता है। अरबिंदो मार्ग से सटे इस हवाई अड्डे के आसपास कई महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालय और सैन्य प्रतिष्ठान स्थित हैं। वर्तमान में यह एक नॉन-शिड्यूल्ड एयरपोर्ट के रूप में संचालित होता है, लेकिन वीवीआईपी और वीआईपी हेलीकॉप्टर संचालन का प्रमुख केंद्र होने के कारण इसकी सुरक्षा का विशेष महत्व है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों तथा विभिन्न राज्यों के राज्यपालों की उड़ानें अक्सर इसी हवाई अड्डे से संचालित होती हैं। इसी वजह से यहां सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए सीआईएसएफ को तैनात किया गया है। सुरक्षा हस्तांतरण के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सीआईएसएफ, भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई), स्थानीय पुलिस और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

HINDUSTAN DELHI 18 JUNE 2026

चेन्नई से 20 टन कार्गो लेकर अफकॉम कंपनी का चार्टर्ड विमान पहुंचा, वाटर कैनन सैल्यूट दिया गया

नोएडा एयरपोर्ट से कार्गो उड़ान भी शुरू

हि अच्छी खबर

ग्रेटर नोएडा, प्रमुख संवाददाता। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बुधवार को कार्गो उड़ान भी शुरू हो गई। इससे पहले यात्री सेवा शुरू हो चुकी है। अफकॉम कंपनी का चार्टर्ड विमान सुबह 7:20 बजे रनवे पर उतरा। यह चेन्नई से 20 टन कार्गो लेकर पहुंचा था।

देश के पहले इंटीग्रेटेड मल्टी मॉडल कार्गो हब में पहली घरेलू फ्रेटर (मालवाहक) उड़ान को पारंपरिक वाटर कैनन सैल्यूट दिया गया। अतिथियों ने ताली बजाकर पहली फ्लाइट का स्वागत किया। चेन्नई से आई कार्गो उड़ान में जल्दी खराब होने वाली चीजें, कंसोलिडेशन शिपमेंट, वाहनों के कल-पुर्जे और मोबाइल उपकरण शामिल रहे। उड़ान से लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम को भी परखा, जो मानकों पर खरा उतरा। दोपहर 12:15 बजे विमान ने वापस 16 टन कार्गो के साथ चेन्नई के लिए उड़ान भरी। इसमें पठानकोट से आई लीची, दिल्ली का इलेक्ट्रॉनिक समेत अन्य माल भेजा गया।

अब यहां से सामान की मांग के हिसाब से कार्गो की आवाजाही शुरू हो गई है। इस बीच कार्गो टर्मिनल से आयात और निर्यात होने वाले कार्गो का यापल के उपाध्यक्ष क्रिस्टोफ श्नेलमैन, सीओओ किरण जैन, कार्गो हब बनाने वाली कंपनी एयर इंडिया सेट्स के सीईओ रामनाथन राजमणि, सीओओ सलीम चौधरी तथा यीडा एसीईओ शैलेंद्र भाटिया ने फीता काटकर शुभारंभ किया।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बुधवार को कार्गो उड़ान शुरू हो गई। एक विमान सुबह रनवे पर उतरा। यह चेन्नई से 20 टन कार्गो लेकर पहुंचा था। • हिन्दुस्तान

> इंटीग्रेटेड कार्गो टर्मिनल पर पहली फ्रेटर उड़ान का सफल संचालन भारत की कार्गो और लॉजिस्टिक्स यात्रा में नए अध्याय की शुरुआत है। उत्पादों के लिए आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी।
>
> –रामनाथ राजामणि सीईओ एयर इंडिया सेट्स

अंतरराष्ट्रीय उड़ानें जल्द शुरू करने की तैयारी

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अगले छह महीने में अंतरराष्ट्रीय कार्गो उड़ानें शुरू करने की तैयारी है। इससे दिल्ली आईजीआई पर कार्गो का दबाव कम होगा। वहीं, उत्तरप्रदेश के उत्पादों को देश-विदेश में नई पहचान मिलेगी। नोएडा एयरपोर्ट पर कुल 87 एकड़ में मल्टीमॉडल कार्गो हब विकसित किया गया है। इसमें 30 एकड़ में इंटीग्रेटेड कार्गो टर्मिनल और 57 एकड़ में इंटीग्रेटेड वेयर हाउस और लॉजिस्टिक जोन शामिल है। यह हब कार्गो हैंडलिंग, वेयरहाउसिंग, ट्रैकिंग और डिजिटल कार्गो प्रबंधन सेवाओं को एक ही प्लेटफार्म पर जोड़ता है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 18 JUNE 2026

अनियंत्रित हवाई पट्टियों की सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने हाल ही में दुर्घटनाओं और गंभीर चूकों के मद्देनजर देश भर के सभी अनियंत्रित हवाई पट्टियों के संचालकों के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने और रनवे से लेकर बाउंड्री फेंसिंग तक की व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। डीजीसीए ने कहा कि हाल के वर्षों में कुछ हवाई पट्टियों और उनके आसपास दुर्घटनाएं हुई हैं, जिससे उड़ान सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES | DELHI | 18 JUNE 2026

Cargo ops begin at Noida airport

A cargo flight from Chennai landed at the Noida International Airport on Wednesday morning, marking the commencement of cargo operations at the newly inaugurated airport. The flight, ferrying 20 tonnes of mixed cargo, landed at 7.13am, an official said. The cargo terminal spans 87 acres and is designed to handle a cargo capacity of 255,000 tonnes, said officials. HT

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 18 JUNE 2026

3 AIRPORTS TOLD TO INSTALL FULL BODY SCANNERS

Prawesh Lama
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The Central Industrial Security Force (CISF) has asked airport operators at the Jammu, Srinagar and Ayodhya airports to install full-body scanners (FBS) on priority, even as a three-month trial of the scanners is underway at four airports, including New Delhi, officials aware of the matter said. The government has also planned to install nine such certified full-body scanners at the Parliament House premises.

An official, who asked not to be named, said Srinagar, Ayodhya and Jammu have been directed to get FBS on priority due to the sensitivity of the airport.

Because of its location and passenger movement, the Ram Temple in Ayodhya has been tagged a hypersensitive airport.

"The deployment of FBS will lead to enhanced security, while reducing the need for physical frisking and also saving time for passengers," the officer said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDU CHENNAI 17 JUNE 2026

Nearly 8 years after initial proposal, satellite terminal yet to come up at airport

AAI officials say CUMTA has submitted a new proposal for the facility. According to this plan, it will be between the main and secondary runways and serve as a passenger and cargo terminal

PORT CALL

The Hindu Bureau
CHENNAI

Nearly eight years after the proposal was floated, the satellite terminal at the Chennai airport is yet to see the light of the day owing to various reasons. The project, which went through different iterations since it was mooted, now looks at a new plan again.

The Airports Authority of India (AAI) planned the terminal eight years ago with the idea to decongest the existing terminal, and plan for the future to meet the increasing demand since there was barely any concrete proposal for a second airport for the city back then.

According to AAI officials, based on a recent plan proposed by the Chennai Unified Metropolitan Transport Authority (CUMTA), the satellite terminal, which will be constructed between the main and secondary runways, would serve as both a passenger and cargo terminal. Passengers can access this terminal via NH 32, but under the revised plans not only passengers but also residents of nearby areas can use the road. Cargo can also be transported to the terminal.

But the challenge in this proposal will be the funding. Earlier the AAI was prepared to take on the entire cost since the corridor was an exclusive one for passengers and cargo, but now that the public are also likely to use it, a funding arrangement will have to be worked out between the State government and the AAI. From finalising the funding and figuring out the traffic the terminal will cater to and completing the construction, the project still has a long way to go.

Original plan: When AAI took up the satellite terminal project for the first time, it planned an underground tunnel linking the domestic and international terminals with it. B. VELANKANNI RAJ

When the satellite terminal project was taken up for the first time by the AAI, it planned an underground tunnel linking the existing domestic and international terminals with it. The AAI engaged a consultant too and a report was submitted. But the idea to build the tunnels was later dropped. Soon after that, the project was paused since the traffic had dipped owing to the COVID-19 pandemic. It was revived again in 2024, and the revised plan was to connect the terminal with a dedicated corridor via NH 32.

Impact on the Adyar

After the AAI presented this project report to the Tamil Nadu government, it wanted a study to be carried out to look at the impact of the project on the nearby area.

The study was sought since the pillars of the terminal's access corridor would be along the banks of the Adyar. The study indicated that the corridor will have no adverse impact on the river. At that time, sources said the government wasn't too keen on this terminal since the Parandur airport was planned.

It is to be noted that the completion of the T3 terminal under the Phase II Modernisation had been plagued by delays and not been completed years after the construction began.

A. Sankar of the Indian Air Passengers' Association, who is a frequent flyer, said it made more sense to focus on a newer, bigger airport for the city instead of the satellite terminal.

"This is primarily because the ongoing Phase II Modernisation has been riddled with so many delays. I worry how long the authorities will take to complete the satellite terminal. Another classic example is the second cab pick-up point and plaza. Though they are completed and ready, the AAI is yet to open them. Hence, I think it is better to focus on the new airport in Parandur, which will at least be better for the development of the State," he added.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDU DELHI 18 JUNE 2026

Full body scanners on trial at four key airports; three more next in line

Vijaita Singh
NEW DELHI

Passengers flying from Srinagar, Jammu, and Ayodhya may soon pass through full body scanners at airport security, with the Bureau of Civil Aviation Security (BCAS) having requested operators at these airports to install the advanced imaging technology on a priority basis, a senior government official said on Wednesday.

The Bureau has also asked all other airport operators handling the movement of more than 50 lakh passengers annually to install the machines.

These scanners are already being used on a trial basis in the Delhi, Bengaluru, Hyderabad, and Kochi airports. The Central Industrial Security Force (CISF), which provides aviation security cover at 73 civil airports across the country, is evaluating the functioning of the scanners in these airports. The trials began in May and will continue for three months.

Through and through: The scanners detect metallic items under clothing, reduce the need for physical frisking. SPECIAL ARRANGEMENT

The scanners can detect metallic and non-metallic items concealed under clothing, while reducing the need for physical frisking and ensuring a smoother travel experience, the official said.

On April 2, the BCAS had issued the standard operating procedure for these scanners which are installed at pre-embarkation security points.

"The deployment of [full body scanners] is expected to significantly enhance threat detection capabilities by minimising physical frisking. The trial initiated in May 2026 will evaluate its operational effectiveness, passenger convenience, privacy safeguards, and integration with existing security procedures," the official said, adding that the evaluation will guide future policy decisions.

Other security measures include bomb detection and disposal squads that have been deployed at 25 airports, while bomb detection teams have been activated at 35 additional airports. Dog squads have been established at most airports to augment security operations, the official said.

Multiple seizures

In 2025, the CISF detected around 31.46 kg of gold, 114.13 kg of silver and cash amounting to ₹52.91 crore being illegally transported through airports. Until May 31 this year, 12.779 kg of gold, 23.825 kg of silver and ₹14.49 crore in cash has been seized by CISF personnel at airports.

Between 2021 and June 17, 2026, there have been 63 cases of drugs detected by the CISF

The CISF is also in the process of digitising operational records, including those pertaining to explosive detection system checks and prohibited item detections.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

LOKSATYA DELHI 18 JUNE 2026

एयर सेवा पोर्टल होगा अपग्रेड, शिकायतों के निपटान में AI का सहारा लेगा मंत्रालय

पीएसीआर ने 98 प्रतिशत सफलता दर के साथ 73,000 से अधिक यात्रियों की शिकायतों का समाधान

नई दिल्ली, लोकसत्य।

नागर विमानन मंत्रालय एयर सेवा पोर्टल के उन्नयन तथा यात्री सहायता नियंत्रण कक्ष (पीएसीआर) के संचालन में कृत्रिम मेधा (एआई) के समावेश पर काम कर रहा है, ताकि हवाई यात्रियों की शिकायतों का अधिक सटीक और त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके। यह जानकारी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी।

पीएसीआर, जिसे पिछले साल दिसंबर में देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में उड़ानों में भारी रुकावट के बाद बनाया गया था, एयरलाइंस, हवाई अड्डों, एएआई और नियामक डीजीसीए और बीसीएएस के प्रतिनिधियों को एक साथ लाता है।मंत्रालय द्वारा इकट्ठा किए गए आंकड़ों के अनुसार, पीएसीआर ने 10 दिसंबर, 2025 से अब तक 98 प्रतिशत सफलता दर के साथ 73,000 से ज्यादा यात्रियों की शिकायतों का समाधान किया है।

डीजीसीए और बीसीएएस का मतलब क्रमशः नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) और नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो

(बीसीएएस) है।

नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने बुधवार को कहा कि अगले 90-100 दिन में हवाई यात्रियों की शिकायतों के समाधान के लिए एक ज्यादा मजबूत और सुगम मंच बनाने की कोशिशें चल रही हैं।

उन्होंने कहा कि एयर सेवा पोर्टल का एक नया संस्करण आएगा। एयर सेवा पोर्टल और ऐप यात्रियों की शिकायतों के समाधान में मदद करने के लिए मंत्रालय की एक पहल है।

उड़ान भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि मंत्रालय इस बात पर काम कर रहा है कि प्रणाली को और बेहतर कैसे बनाया जाए और यात्रियों की शिकायतों का जल्द से जल्द समाधान कैसे किया जाए।

भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते घरेलू नागर विमानन बाजारों में से एक है। जनवरी-अप्रैल की अवधि के दौरान, घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 5.75 करोड़ से ज्यादा रही।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MINT DELHI 18 JUNE 2026

Air India SATS eyes cargo-led growth with ₹600-cr capex

Abhishek Law
abhishek.law@livemint.com
NEW DELHI

Air India SATS Airport Services Pvt. Ltd. (AISATS) plans to invest about ₹600 crore in fiscal year 2027 (FY27) and more than double its revenue over the next five years, as the airport services provider expands beyond traditional ground handling into cargo, warehousing and airport logistics infrastructure.

The unlisted company, a 50:50 joint venture between Tata group-owned Air India and Singapore-based ground handler SATS Ltd, is targeting revenue of ₹3,000-3,500 crore over the next five years from around ₹1,400 crore currently, with cargo and warehousing expected to drive much of the growth.

"We are to reach a turnover of around ₹3,000-3,500 crore over a five-year period," Vikas Agarwal, chief financial officer (CFO) of AISATS, told Mint.

The company's expansion comes as airport operators increasingly focus on non-aeronautical revenue streams to diversify earnings beyond passenger traffic and airline charges.

Airport operators are increasingly focusing on non-aeronautical revenue streams to diversify earnings

The investment plan includes ₹125-150 crore towards equipment and technology upgrades and another ₹450 crore for setting up the first phase of an integrated warehousing and logistics zone at Noida International Airport.

"Around ₹600 crore capex investment in FY27 (is planned)," Agarwal said. "And subsequently across later phases it will go up to ₹7,000 crore."

The latest spending follows a period of elevated investment by the company.

AISATS invested roughly ₹700 crore in FY26, including the completion of its integrated cargo terminal at Noida and routine capital expenditure.

CFO Vikas Agarwal says AISATS is looking to reach a turnover of around ₹3,000-3,500 crore over a five-year period.

Future projects will be funded through a combination of internal accruals and bank financing, Agarwal said.

"From a cargo perspective, if you ask, yes, then the world is completely open," he added.

Cargo handling, warehousing and logistics services typically generate long-term contractual revenues and are less dependent on passenger traffic cycles than traditional airport ground-handling operations.

AISATS is among the largest beneficiaries of the new Noida airport ecosystem, having secured a 37-year concession to develop and operate cargo and warehousing infrastructure there.

Its integrated cargo terminal, built at an investment of about ₹550 crore, commenced operations alongside the airport on Monday.

"We are in talks with five or six freighters. Three of them have already tied up their movements with us," Agarwal said.

The first phase of the integrated warehousing and logistics zone will involve an investment of ₹450 crore and be operational in 12-18 months.

The Noida expansion builds on a series of cargo and logistics investments by AISATS. It invested about ₹200 crore in a logistics park near Kempegowda International Airport Bengaluru and invested in cargo-handling facilities at Ranchi and Raipur airports.

Passenger traffic growth has softened in FY27, with airlines cutting capacity due to high operating costs caused by airspace restrictions over Pakistan and rising jet fuel prices, due to the war in West Asia.

For example, GMR Airports, the country's largest airport operator, is developing a 30.5-acre Cargo City at Delhi airport. The project is designed to create an integrated cargo and logistics ecosystem around the airport. At the same time, the airport operator is expecting a slowdown in passenger traffic in the first half of FY27.

"The strategy of AISATS to foray into cargo services, warehousing and logistics could lead to more feeder business for belly cargo in Air India, as well as (for) dedicated freighters," said Amit Mittal, director at Aerointellect Aviation, a Delhi-based consultancy.

AISATS's growth strategy increasingly centres on businesses beyond traditional ground handling, which currently accounts for roughly 80% of revenue.

For an extended version of this story, go to livemint.com.

MILLENNIUM POST DELHI 18 JUNE 2026

Domestic airlines' operating profit to 'decline 10–15%' in FY27: Report

MUMBAI: The operating profit of domestic airlines is estimated to decline 10-15 per cent this fiscal due to elevated aviation turbine fuel (ATF) prices, airspace restrictions and rupee depreciation amid the West Asia conflict, a CRISIL report said on Wednesday.

Rating agency CRISIL also said that the combined impact of higher costs, constrained pricing power and capacity rationalisation is expected to reduce the aggregate operating profit of the airlines to Rs 16,000-17,000 crore this fiscal from around Rs 19,000 crore in the preceding financial year.

Any respite from lower jet fuel prices, driven by a potential resolution of the conflict in West Asia, will contain further escalation in fuel costs for airlines, it said. However, ongoing fleet expansion will push up lease rentals, and that, coupled with moderating operating profits, could weaken lease serviceability through internal accruals, the report noted, adding that the upshot is expected to be around a 15 per cent increase in rental costs to Rs 27,000-28,000 crore this fiscal.

Jet fuel accounts for nearly 40 per cent of an airline's operating costs under normal circumstances and can go to as much as 60 per cent of total operating expenditure during periods of extreme fuel price volatility. Such fluctuations can significantly impact airline operations, route planning and fare stability.

The West Asia conflict has led to a sharp average increase of over 50 per cent in global ATF prices versus the pre-conflict levels. AGENCIES

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST DELHI 18 JUNE 2026

FREIGHT SERVICES ADD NEW DIMENSION TO OPS

First cargo aircraft lands at Noida International Airport

DIPIKA KIROLA

NOIDA: Noida International Airport (NIA) on Wednesday achieved another milestone with the commencement of dedicated cargo operations, just two days after the launch of commercial passenger services. A Boeing 737-800F freighter from Chennai became the first cargo aircraft to land at the airport's newly operational cargo terminal.

The aircraft touched down at 7.13 am carrying around 20 tonnes of mixed freight, including auto components, mobile phones and perishable goods. Airport authorities welcomed the flight with a ceremonial water-cannon salute. After unloading cargo, the aircraft departed for Chennai at around 12.15 pm carrying shipments from industrial units in the Noida region, including automobile and engineering components.

Officials said the launch of cargo services is expected to significantly strengthen the logistics ecosystem of western Uttar Pradesh and the National Capital Region. The airport's

Ground staff unload cargo from the first cargo flight to arrive at Noida International Airport, in Jewar, Uttar Pradesh, on Wednesday PTI

cargo operations are being managed by Aicom Holdings, whose chairman and managing director Deepak Parasuraman described the inaugural Chennai-Noida-Chennai freighter service as a significant step for India's growing air cargo sector. He said the flight completed the journey between Chennai and Noida in 2 hours and 27 minutes.

The cargo terminal has been developed by Air India SATS Airport Services Pvt Ltd (AISATS) over 87 acres. The facility includes a 30-acre integrated cargo terminal along with a 57-acre logistics and warehousing zone. It has an annual handling capacity of 2.55 lakh tonnes of cargo.

According to airport officials, the terminal has already started processing consignments such as garments, handicrafts, mobile phones and automobile parts. In the past two days, nearly four tonnes of litchis from Pathankot were also routed through the airport for onward transportation to cities including Mumbai, Hyderabad and Bengaluru.

HIGHLIGHTS

- Aircraft touched down at 7.13 am carrying around 20 tonnes of mixed freight, including auto components, perishable goods and phones
- After unloading cargo, the aircraft departed for Chennai at around 12.15 pm carrying shipments from industrial units in the Noida region

The cargo complex houses specialised infrastructure including a courier and e-commerce processing centre, a temperature-controlled coolport for pharmaceuticals and perishables, rental warehousing facilities and a dedicated trucking hub. AISATS chief operations officer Salim Chaudhary said cargo connectivity to major metropolitan cities would expand in the coming months, while international cargo operations are expected to begin within six months. He added that the new facility would also help ease pressure on Delhi's Indira Gandhi International Airport.

NIAL nodal officer Shailendra Bhatia said Noida's position as a major manufacturing hub for electronics, IT products and mobile devices would generate substantial cargo traffic. To facilitate seamless movement, separate access routes have been created for passenger and freight vehicles.

The new facility, he said, would help businesses access domestic and international markets more quickly while improving supply-chain efficiency.

Airport authorities believe the terminal's location near industrial sectors of YEIDA will allow exporters to move goods from factories to aircraft within a short time. Future rail links connecting the facility to the Delhi-Howrah and Delhi-Mumbai railway corridors, along with access to the Eastern and Western Dedicated Freight Corridors, are expected to transform the airport into a multimodal logistics hub integrating road, rail and air transportation.

MILLENNIUM POST DELHI 18 JUNE 2026

Safdarjung Airport comes under CISF security cover

NARESH BISWANI

NEW DELHI: The Central Industrial Security Force (CISF) on Wednesday formally took over security responsibilities at Safdarjung Airport, bringing the facility under its protection umbrella as the 73rd civil aviation installation secured by the force.

Senior CISF officers, along with representatives of the Airports Authority of India (AAI) and local law enforcement agencies, were present during the handover. The move is part of the Ministry of Home Affairs' broader effort to strengthen and standardise aviation security across the country through a dedicated central security framework.

Spread across 213 acres in south Delhi, Safdarjung Airport is located in a high-security zone surrounded by key defence and government establishments. The airport plays a crucial role in handling non-scheduled flights, including helicopter operations involving the President, Vice-President, Prime Minister, Union ministers, Governors and other senior dignitaries.

The deployment follows recommendations by security agencies for enhanced protection, citing the airport's strategic importance, proximity to residential areas and exposed runway layout. CISF personnel were inducted in phases under the Internal Security Duty Pattern to ensure uninterrupted airport operations.

A dedicated CISF unit of 136 personnel, headed by a Deputy Commandant, has been tasked with securing the airport. The force will oversee perimeter security, access control, baggage screening systems, surveillance networks and response mechanisms, replacing the earlier arrangement involving Delhi Police and Nagaland Police personnel.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST KOLKATA 17 JUNE 2026

Adani Group operated Navi Mumbai, Guwahati airports among world's 7 most beautiful airports

NEW DELHI: Two airports operated by Adani Group have been included in the Prix Versailles World's Most Beautiful Airports List 2026, highlighting growing global recognition of India's aviation infrastructure.

Prix Versailles, an international architecture and design award presented at UNESCO headquarters in Paris, selected Navi Mumbai International Airport's Terminal 1 and Terminal 2 at Guwahati's Lokpriya Gopinath Bordoloi International Airport among the world's seven most beautiful airports this year.

The awards recognise excellence in architecture, sustainability, innovation, cultural identity and passenger experience. Navi Mumbai International Airport was honoured for its lotus-inspired design by renowned architecture firm Zaha Hadid Architects and its integration of technology and sustainability.

Interior of the newly-built Navi Mumbai International Airport PTI

The recognition comes as the airport prepares for a phased operational ramp-up and expansion of aviation capacity in the Mumbai metropolitan region.

Guwahati Airport's Terminal 2 was recognised for a design inspired by the Bamboo Orchid, reflecting the biodiversity and cultural heritage of Northeast India. The terminal incorporates sustainable features, including bamboo elements, passive daylighting and biophilic design. According to Prix Versailles, Navi Mumbai airport combines futuristic architecture with operational functionality, while its digital art programme enhances the passenger experience through interactive installations.

The Guwahati terminal was praised for embracing regional identity through indigenous art, tribal narratives and local craftsmanship embedded within its interiors. Its sweeping vaulted ceilings and fluid design patterns draw inspiration from Assam's landscapes and the Brahmaputra river system.

The inclusion of both airports reflects the efforts of Adani Airport Holdings Ltd to develop large-scale aviation infrastructure with a strong focus on design, sustainability and passenger comfort.

Other airports on the 2026 list are located in Guangzhou, Frankfurt, Kandal Stueng, Pittsburgh and San Diego. Three airports from the shortlist will later receive Prix Versailles global titles for architecture, interior or exterior design. AGENCIES

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES | DELHI | 18 JUNE 2026

अब एयरलाइन की शिकायतों की होगी सीधी निगरानी

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** फ्लाइट रद्द होने, रिफंड में देरी, लगेज खोने और अन्य एयरलाइन संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए, नागर विमानन मंत्रालय का यात्री सहायता नियंत्रण कक्ष (पीएसीआर) लगातार सक्रिय है।

अगले तीन महीने में इंटीग्रेटेड सिस्टम बन जाएगा

मंत्रालय के अनुसार, दिसंबर 2025 में शुरू हुई इस व्यवस्था के जरिए अब तक 73 हजार से अधिक यात्रियों की शिकायतों का निपटारा किया जा चुका है और समाधान दर 98 फीसदी से ज्यादा रही है। नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने बताया कि अगले तीन महीनों में एक इंटीग्रेटेड सिस्टम तैयार किया जाएगा। इसके तहत सभी एयरलाइंस के कस्टमर केयर, हेल्पलाइन नंबर और शिकायत निवारण मंच पीएसीआर से जोड़े जाएंगे। इससे यात्रियों की शिकायतों के समाधान में तेजी आएगी और सरकार एयरलाइंस की शिकायत निवारण प्रक्रिया पर भी सीधे नजर रख सकेगी। नई व्यवस्था से यात्रियों को अधिक पारदर्शी और प्रभावी सेवा मिलेगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

NAVODAYA TIMES DELHI 18 JUNE 2026

विमान सेवाओं में तरक्की कर रहा हरियाणा : सैनी

भिवानी, 17 जून (सुखबीर मोटू): मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को चौधरी बंसीलाल हवाई पट्टी के विस्तार व सुरक्षा को लेकर 31 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित हैंगर, एटीएस भवन, सुरक्षा चौकी और कैंटीन का उद्घाटन किया।

एयरोड्रम का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

इस दौरान सैनी ने सबसे पहले 120 घंटे की ट्रेनिंग पूरी करने वाले पायलटों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भिवानी की पहचान छोटी काशी के नाम से है। भिवानी वीरों, संतों व खिलाड़ियों की भूमि है। सीएम ने कहा कि मेरे लिए गर्व की बात है कि बंसीलाल हवाई पट्टी का विस्तार हुआ। ये हवाई पट्टी हरियाणा के विकास को आगे बढ़ाने का माध्यम बनेगी। सैनी ने कहा कि सिविल एविएशन के क्षेत्र में हरियाणा विशिष्ट पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सिर्फ घोषणा की नहीं, काम करने में विश्वास रखती है। हरियाणा के हर कोने में तेज गति से विकास किया जा रहा है। बड़े-बड़े निवेशक व विमान कंपनी हरियाणा की ओर आकर्षित हो रही हैं। हिसार हवाई अड्डे को प्रदेश के सबसे बड़े हवाई अड्डे के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा हवाई मार्ग से जुड़ने के लिए क्रांतिकारी कदम उठा रहा है। इससे व्यापारिक गतिविधियां तेज होंगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 18 JUNE 2026

Pakistan extends airspace ban on Indian aircrafts by a month

M ZULQERNAIN ■ Lahore

Pakistan on Wednesday extended its airspace restrictions on Indian-registered aircraft for yet another month till July 24. The restrictions were first imposed in April 2025, a day after terrorists killed 26 people in Jammu and Kashmir's Pahalgam, leading to a stand-off between the two nuclear-powered countries, which culminated in a four-day military conflict.

India has also slapped similar restrictions on Pakistani aircraft for using its airspace. "The ban on Indian aircraft – both civil and military – will remain in effect from 5:50 pm June 16 until 4:59 am July 24," the Pakistan Airports Authority said in a notice issued on Wednesday. While military tensions have eased between the two, diplomatic relations remain strained with both sides continuing with retaliatory measures introduced during the crisis. The prolonged airspace closure is expected to increase operational costs for Indian airline companies, many of which have been forced to take longer routes to destinations in Central Asia, Europe, West Asia and North America. (PTI)

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 18 JUNE 2026

Navi Mumbai Airport to launch international operations on July 15

PIONEER NEWS SERVICE
Mumbai

Adani Group-owned Navi Mumbai airport is expected to start international operations from the greenfield facility from July 15, a top official said on Wednesday.

Along with international passenger flights, the Navi Mumbai airport will also commence international freighter operations, he said. The Adani Group-owned airport, the second airport in the Mumbai Metropolitan Region, had commenced domestic flight services from December last year.

"On July 15, we are starting with freighters, and we expect the freighters to ramp

up to almost 18 weekly flights. Good news is also that there is movement on the passenger side and hopefully on July 15 international passenger flights will also start," Navi Mumbai International Airport Ltd (NMIAL) chief executive officer, BVJK Sharma, told reporters on the sidelines of BCBA Logistics Conclave here. Sharma further noted that both "Air India Express and IndiGo are going to operate international flights from Navi Mumbai."

Member (Customs), a senior official within the Central Board of Indirect Taxes and Customs (CBIC), reviewed the readiness of the airport (for international operations) on Tuesday, and relevant notifications have been promulgated, he said. "The last one is being done today, which will then follow with Section 45 and the trials with both the codes for courier and the cargo," he said, adding that this will lead to probably a trade notice by the customs around July 5.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

PUNJAB KESARI | DELHI | 18 JUNE 2026

टला बड़ा हादसा, एयर इंडिया के विमान से टकराया पक्षी

रायपुर, (पंजाब केसरी): छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर बुधवार सुबह एअर इंडिया की दिल्ली-रायपुर उड़ान बर्ड हिट की चपेट में आ गई। विमान की लैंडिंग के दौरान पक्षी टकराने की घटना हुई, जिसके बाद एहतियात के तौर पर विमान का तकनीकी निरीक्षण किया गया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई और विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। जानकारी के अनुसार एअर इंडिया की फ्लाइट सुबह 8:15 बजे रायपुर पहुंचने वाली थी। विमान ने सुबह करीब 8:08 बजे रायपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग की, इसी दौरान विमान से पक्षी के टकराने की घटना हुई। बर्ड हिट की सूचना मिलते ही एयरपोर्ट और एयरलाइन प्रबंधन ने सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत विमान का विस्तृत तकनीकी परीक्षण शुरू कराया ढाई घंटे तक चला विमान का निरीक्षण निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यही विमान सुबह 8:55 बजे रायपुर से दिल्ली के लिए रवाना होने वाला था, लेकिन तकनीकी जांच और सुरक्षा मंजूरी मिलने तक उड़ान को रोके रखा गया।

करीब ढाई घंटे तक चले निरीक्षण के बाद विमान को उड़ान के लिए फिट घोषित किया गया। इसके बाद एअर इंडिया की फ्लाइट सुबह लगभग 11:35 बजे रायपुर से दिल्ली के लिए रवाना हुई। विमान के विलंब से संचालन प्रभावित हुआ और यात्रियों को निर्धारित समय से काफी देर तक इंतजार करना पड़ा।

THE TIMES OF INDIA MUMBAI 17 JUNE 2026

Daily flights link Navi Mumbai & Noida airports

Mumbai: India's two new airports are now connected with daily direct flights with Akasa Air launching flight from Navi Mumbai International Airport (NMI) to Noida International Airport (DXN) on Monday. The flight connects Mumbai Metropolitan Region with National Capital Region.

Navi Mumbai airport, which is expected to begin international operations in the coming months, has already taken a spot among India's top 10 busiest airports.

"The NMI-DXN connection will improve market access reducing travel time between key corporate catchments across sectors such as manufacturing, logistics, technology, real estate, financial services, aviation, hospitality and trade," said an NMI spokesperson. TNN

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 18 JUNE 2026

Auto parts from Noida industries fly to Chennai in first cargo flight

Shafaque.Alam
@timesofindia.com

Noida: Two days after Noida International Airport started flight operations, a Boeing 737-800F cargo flight landed from Chennai at 7.13 am on Wednesday, marking the beginning of the airport's freight operations at its separate terminal.

The aircraft, carrying 20 tonnes of mixed cargo, including perishables, auto components and mobile devices, received a ceremonial water-cannon salute after landing. It returned to Chennai around 12.15 pm with cargo, including automobile and motor parts from Noida's industries.

The cargo terminal, developed by Air India SATS Airport Services Pvt Ltd (AISATS), spans 87 acres, comprising a 30-acre integrated terminal and a 57-acre warehousing and logistics zone. It has a capacity to handle 2,55,000 tonnes of cargo. The terminal's proximity to YEIDA sectors is expected to allow exporters to move cargo from the factory floor to the aircraft hold in under 30 minutes. Proposed rail spurs are set to connect the terminal with the Delhi-Howrah and Delhi-Mumbai lines. The airport's proximity to the western and eastern freight corridors would make it an intermodal hub.

Until Wednesday, the terminal has received consignments of garments, auto parts, phones and handicrafts for dispatch. It also received nearly 4,000 kg of litchis from Pathankot over the past two days for shipment to Mumbai, Hyderabad and Bengaluru.

Sonu, operations supervisor at Surya Cargo Forwarders, a logistics intermediary handling the shipment, said: "We brought the harvest in cartons to Noida airport and marked and labelled the consignment to ensure it was loaded onto designated flights. On Wednesday, we handed over the remaining cargo to AISATS staff, who will now transfer it to the respective airlines," he said.

The cargo terminal also includes a courier facility for e-commerce shipments, a coolport for pharmaceutical and temperature-sensitive products, such as flowers, fruits and vegetables. It also has a rental warehouse and a trucking centre. AISATS chief operations officer Salim Chaudhary said services would soon connect to all metros, with global operations planned in six months.

Yogesh Kumar

Ground staff unload cargo from the flight that landed at Noida airport

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 18 JUNE 2026

CISF takes over Safdarjung airport security

New Delhi: Central Industrial Security Force was inducted at strategically vital Safdarjung airport Wednesday, marking a key step in the home ministry's push to standardise civil aviation security under a specialised federal force.

Officials said the 213-acre airport in south Delhi, near Aurobindo Marg and surrounded by govt and military installations, is the capital's main hub for VVIP helicopter movement, including flights of the President, Vice-President and Prime Minister.

Citing the open, road-facing runway and dense neighbourhoods, agencies recommended replacing local policing with full CISF cover. Safdarjung becomes the 73rd airport under CISF. A 136-member unit will guard the facility. TNN

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TRIBUNE DELHI 18 JUNE 2026

Uncontrolled airstrips: DGCA sounds alarm

Orders review of conditions at facilities

SHEKHAR SINGH
TRIBUNE NEWS SERVICE

NEW DELHI, JUNE 17

Amid growing concerns over flight safety, the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has issued a nationwide advisory to owners and operators of uncontrolled airstrips, warning that several such facilities are failing to meet prescribed safety standards and could pose risks to aircraft operations.

In the advisory, the aviation regulator said it had observed that a number of uncontrolled airstrips across the country are being used for aircraft landings and departures despite deficiencies in maintenance and infrastructure upkeep.

The warning comes against the backdrop of past accidents, including the Baramati crash on January 28 which claimed the life of then Maharashtra Deputy CM Ajit Pawar and four others, and incidents reported at and around such airstrips.

"It has been observed that several uncontrolled airstrips across the country are being utilised for landing and departure of aircraft. It is also noted with concern that, in the past, certain accidents and incidents have occurred at and in the vicinity of such airstrips," the DGCA said.

The regulator noted that while the Civil Aviation Requirements (CAR) prescribe minimum standards for airstrips used for aircraft operations, several operators were not maintaining facilities in accordance with those norms, adversely affecting flight safety.

Taking a serious view of the issue, the DGCA has directed all airport and airstrip operators to immediately review the operational condition of their facilities and ensure strict compliance with safety requirements laid down under CAR Section 4, Series B, Part VI.

The advisory specifically calls for periodic inspections and maintenance of critical infrastructure, including runways, taxiways, aprons, visual aids, markings, drainage systems, boundary fencing and access-control arrangements. "Any deficiencies affecting operational safety should be rectified without delay," the regulator said, adding that adequate resources must be allocated to ensure airstrips remain serviceable and safe for aircraft operations throughout the year.

The DGCA also urged operators of airstrips that are regularly used for aircraft operations to obtain an aerodrome licence wherever applicable, in accordance with the aircraft rules and relevant regulatory requirements.

The advisory, issued by Joint Director General of Civil Aviation Bharat Bhushan, has been addressed to all owners and operators of uncontrolled airstrips across the country, signalling a renewed regulatory push to tighten oversight of aviation infrastructure operating outside the country's controlled airport network.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE TRIBUNE DELHI 18 JUNE 2026

Govt mulls roping in private security for airports, energy infra

The Tribune EXCLUSIVE

To hold discussions with industry body over safety of critical assets

ADITI TANDON
TRIBUNE NEWS SERVICE

NEW DELHI, JUNE 17

The government is considering a larger role for private security agencies in India's rapidly expanding critical infrastructure sector. To this end, the Ministry of Home Affairs is learnt to have scheduled a key meeting later this month with the umbrella organisation of private security firms in the country.

The Central Association of Private Security Agencies (CAPSI), which represents around 25,000 registered private security organisations in India, will participate in a dialogue to be hosted by senior officials of the Ministry of Home Affairs (MHA). The ministry is the nodal authority for private security firms licensed under the Private Security Agencies (Regulation) Act, 2005.

The dialogue will be held as part of the Regional Security Conference on the theme, "Enhancing Professional Standards of Private Security Agencies in Critical Sectors".

A preliminary discussion on the subject had taken place in May, CAPSI sources confirmed to *The Tribune*. CAPSI leaders said this was the first time the government had invited private security firms for discussions on ways to expand their role in safeguarding critical infrastructure. This includes energy utilities, power grids, physical infrastructure such as ports and airports, railways, mass transit systems, public health facilities, IT infrastructure, financial institutions and stock exchanges.

At present, a large part of critical infrastructure security is handled by the CISF under the MHA. "The government is now preparing private security agencies to support its internal security infrastructure for any eventuality that may arise due to external conflicts," said a senior CAPSI source.

With an estimated workforce of one crore security personnel, CAPSI has the largest network of trained security guards in India. It operates 150 training centres and operates under the nodal control of the MHA. CAPSI leaders said their security personnel could be further trained and equipped for deployment in critical infrastructure protection.